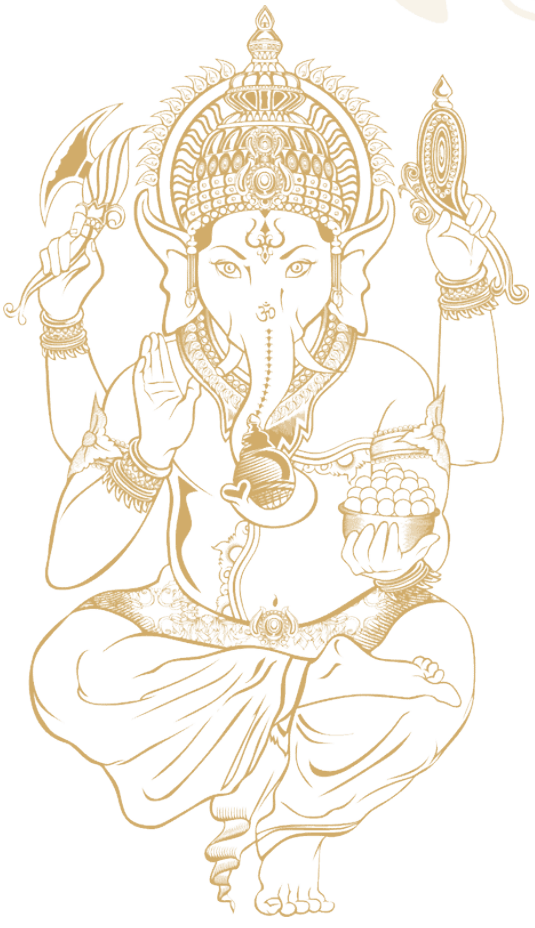

minakshi

26 Jul 1998

10:45 PM

Betul

Model: web-freekundliweb

Order No: 121745503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/07/1998**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:45:00 घंटे**
इष्ट	42:21:35 घटी
स्थान	**Betul**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	21:55:00 उत्तर
रेखांश	77:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:26:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	18:43:23 घंटे
सूर्योदय	05:48:21 घंटे
सूर्यास्त	19:01:05 घंटे
दिनमान	13:12:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	09:40:52 कर्क
लग्न के अंश	20:24:40 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	20:24:40	469:15:33	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	09:40:52	00:57:21	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	16:54:14	12:20:38	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मिथु	19:46:50	00:39:43	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
बुध			सिंह	03:38:28	00:21:13	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	04:06:06	00:01:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	14:42:24	01:12:31	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	मित्र राशि
शनि			मेष	09:26:41	00:02:04	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			सिंह	07:46:25	00:00:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:46:25	00:00:52	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	17:13:58	00:02:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:51:33	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:34:29	00:00:39	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	16:07:58	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:07

लग्न-चलित

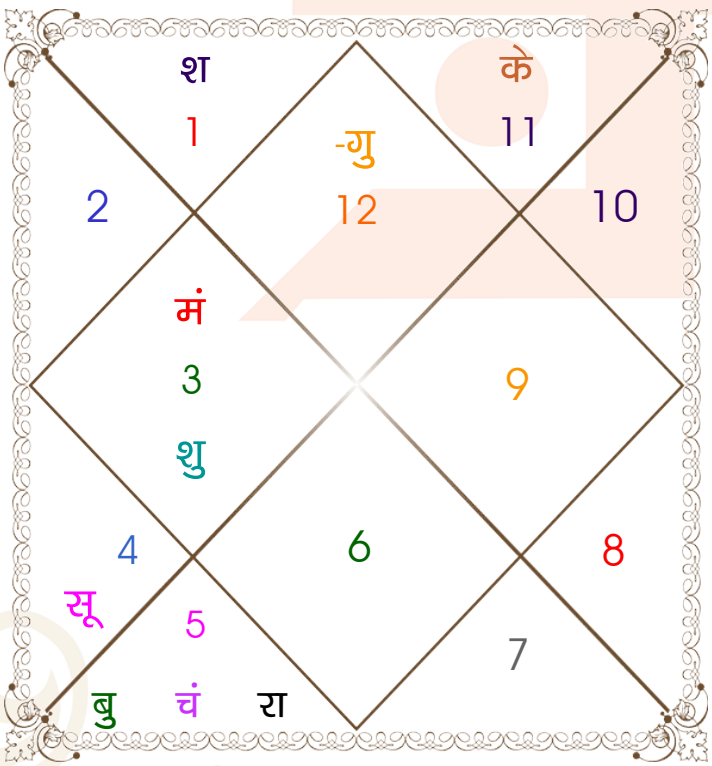

चन्द्र कुंडली

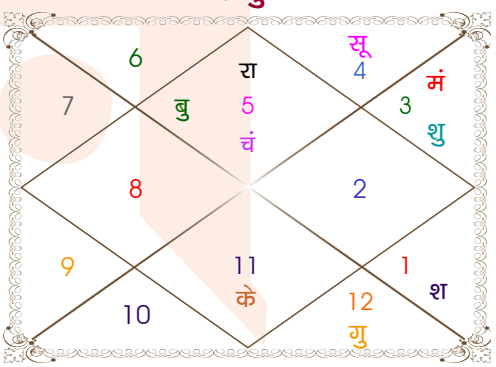

नवमांश कुंडली

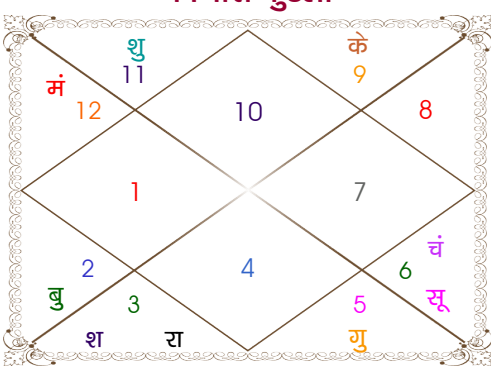

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 7 मास 22 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/07/1998		18/03/2013		19/03/2019		18/03/2029		18/03/2036	
18/03/2013		19/03/2019		18/03/2029		18/03/2036		18/03/2054	
	00/00/0000	सूर्य	06/07/2013	चंद्र	17/01/2020	मंगल	14/08/2029	राहु	29/11/2038
	26/07/1998	चंद्र	04/01/2014	मंगल	17/08/2020	राहु	02/09/2030	गुरु	24/04/2041
चंद्र	19/03/1999	मंगल	12/05/2014	राहु	16/02/2022	गुरु	09/08/2031	शनि	29/02/2044
मंगल	18/05/2000	राहु	06/04/2015	गुरु	18/06/2023	शनि	17/09/2032	बुध	17/09/2046
राहु	19/05/2003	गुरु	23/01/2016	शनि	16/01/2025	बुध	14/09/2033	केतु	06/10/2047
गुरु	17/01/2006	शनि	04/01/2017	बुध	18/06/2026	केतु	10/02/2034	शुक्र	05/10/2050
शनि	18/03/2009	बुध	11/11/2017	केतु	17/01/2027	शुक्र	12/04/2035	सूर्य	30/08/2051
बुध	17/01/2012	केतु	18/03/2018	शुक्र	17/09/2028	सूर्य	18/08/2035	चंद्र	28/02/2053
केतु	18/03/2013	शुक्र	19/03/2019	सूर्य	18/03/2029	चंद्र	18/03/2036	मंगल	18/03/2054

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/03/2054		18/03/2070		18/03/2089		19/03/2106		19/03/2113	
18/03/2070		18/03/2089		19/03/2106		19/03/2113		00/00/0000	
गुरु	06/05/2056	शनि	21/03/2073	बुध	15/08/2091	केतु	16/08/2106	शुक्र	19/07/2116
शनि	17/11/2058	बुध	29/11/2075	केतु	11/08/2092	शुक्र	16/10/2107	सूर्य	19/07/2117
बुध	22/02/2061	केतु	07/01/2077	शुक्र	12/06/2095	सूर्य	21/02/2108	चंद्र	27/07/2118
केतु	29/01/2062	शुक्र	09/03/2080	सूर्य	17/04/2096	चंद्र	21/09/2108		00/00/0000
शुक्र	29/09/2064	सूर्य	19/02/2081	चंद्र	17/09/2097	मंगल	17/02/2109		00/00/0000
सूर्य	18/07/2065	चंद्र	20/09/2082	मंगल	14/09/2098	राहु	07/03/2110		00/00/0000
चंद्र	17/11/2066	मंगल	30/10/2083	राहु	03/04/2101	गुरु	11/02/2111		00/00/0000
मंगल	24/10/2067	राहु	05/09/2086	गुरु	10/07/2103	शनि	22/03/2112		00/00/0000
राहु	18/03/2070	गुरु	18/03/2089	शनि	19/03/2106	बुध	19/03/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 8 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।